पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास

एम.ए.अंतिम चतुर्थ सेमेस्टर(राजनीति विज्ञान)
मे प्रायोगीक कार्य हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रतिवेदन

सत्र – 2022–23

निर्देशक

श्री भुपेन्द्र कुमार
(सहा. प्राध्यापक)
राजनीति विज्ञान विभाग

श्री मति गिरजा वर्मा
अतिथि व्याख्याता
(राजनीति विज्ञान विभाग)

ओमप्रभा
शोधकर्ता

ओमप्रभा
एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर
(राजनीति विज्ञान)
मो.नं. 8817604250

शास.शहीद कौशल यादव महाविधालय गुण्डरदेही
जिला–बालोद

Scanned with OKEN Scanner

आभार

सर्वप्रथम मै विद्या की आराध्य देवी माँ सरस्वती को वंदन करती हूँ | जिनकी असीम कृपा से मुझे शास. शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही में अपनी उच्च शिक्षा के श्रृंखला में बढ़ते हुए एम.ए. (राजनीति विज्ञान) में लघु शोध कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ |

लघु शोध कार्य को करने में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ . डी.आर. मेश्राम एवं समस्त प्रध्यापकगण तथा अतिथि प्राध्यापको का सदा आभारी रहूंगी | जिनके मार्गदर्शन में सदा सहयोग तथा सत्र हर ज्ञान प्राप्त हुआ |

मै अपनी राजनीति विज्ञानं विभाग की विभागाध्यक्ष श्री भूपेंद्र कुमार और श्रीमती गिरजा वर्मा का सदा आभारी रहूंगी | जिन्होंने इस कार्य को पूर्ण करने में अपना सहयोग प्रदान किया और शोध सम्बंधित जानकारियाँ प्रदान की तथा जिनके निर्देश में लघु कार्य पूर्ण किया |

मै अपने पूजनीय माता – पिता एवं सभी सहपाठियों का आभार व्यक्त करती हूँ , जिन्होंने मेरे इस शोध कार्य को पूर्ण करने में अपना सहयोग एवं अमूल्य समय प्रदान किया |

ओमप्रभा

शोधकर्ता

ओमप्रभा

एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान

शास. शहीद कौशल यादव महाविद्यालय

गुंडरदेही, जिला – बालोद (छ.ग.)

स्थान - गुंडरदेही

दिनांक - 21/04/23

Scanned with OKEN Scanner

घोषणा पत्र

मै घोषणा करती हूँ ,की मै " पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास" शीर्षक की यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट शास.शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही , जिला-बालोद (छ.ग.) के एम.ए. राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा हेतु सत्र 2022-23 , श्री भूपेंद्र कुमार (सहायक प्राध्यापक) के निर्देश से तथा श्रीमती गिरजा वर्मा (अतिथि व्याख्याता) मार्ग दर्शन में पूर्ण किया गया है।

ओमप्रभा

शोधकर्ता

ओमप्रभा

एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान

शास. शहीद कौशल यादव महाविद्यालय

गुंडरदेही, जिला – बालोद (छ.ग.)

स्थान – गुंडरदेही

दिनांक - 21/04/23

Scanned with OKEN Scanner

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है की ओमप्रभा ने शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही, जिला- बालोद (छ.ग.) में सन 2022-23 में प्रस्तुत लघु शोध प्रतिवेदन " पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास" के विशेष सन्दर्भ में एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान) का छात्रा की स्वत: लिखित मौलिक रचना है।

यह लेखन कार्य मेरे निर्देशन में संपदित किया गया है। मैंने अपने योग्यता अनुसार इसे अध्ययन किया और उचित रूप में संशोधित किया है।

स्थान – गुंडरदेही

दिनांक - 21/04/23.

विभागाध्यक्ष

श्री भूपेंद्र कुमार

(सहायक प्राध्यापक)

राजनीति विज्ञान विभाग

शास. शहीद कौशल यादव महाविद्यालय

शास. शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही

जिला – बालोद (छ.ग.)

अनुक्रमाणिका

क्रमांक	पाठ्यक्रम		पृष्ठक्रमांक
1.	रूपरेखा	—	01
2.	प्रस्तावना	—	02
3.	ग्रामीण विकास अर्थ और परिभाषा	—	03
4.	ग्रामीण विकास क्या है	—	03—04
5.	भारत मे ग्रामीण विकास	—	04
6.	ग्रामीण विकास कि आवश्यकता	—	04-05
7.	ग्रामीण विकास के मुद्दे	—	05—07
8.	ग्रामीण विकास कार्यक्रम कि सूची	—	07
9.	ग्रामीण विकास के लक्ष्य	—	08—10
10.	ग्रामीण विकास के प्रमुख योजनाएँ	—	10—25
11.	ग्रामीण विकास के अन्य योजनाएँ	—	26—28
12.	ग्रामीण विकास की प्रमुख समस्या	—	28—30
13.	ग्रामीण विकास की समस्या का समाधान	—	30—31
14.	ग्रामीण विकास के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास	—	31—32
15.	उपसंहार	—	33
16.	संदर्भित ग्रथ	—	34

Scanned with OKEN Scanner

पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास

रुपरेखा

- प्रस्तावना
- ग्रामीण विकास अर्थ व परिभाषा
- ग्रामीण विकास क्या है ?
- भारत में ग्रामीण विकास
- ग्रामीण विकास की आवश्यकता
- ग्रामीण विकास के मुददे
- ग्रामीण विकास कार्यक्रम की सूंची
- ग्रामीण विकास के लक्ष्य
- ग्रामीण विकास की प्रमख योजनाएँ
- ग्रामीण विकास के अन्य योजनाएँ
- ग्रामीण विकास की प्रमुख समस्याएँ
- ग्रामीण विकास की समस्या का समाधान
- उपसंहार
- संदर्भित ग्रन्थ

Scanned with OKEN Scanner

दरअसल हमारी अर्थव्यवस्था ऐसी है , जो मूलतः कृषि पर ही निर्भर है। इसलिए यह अनुचित नहीं होगा की निरंतर ग्रामीण विकास के बिना हमारा राष्ट्रीय विकास अधूरा एवं निरर्थक ही साबित होगा दुसरो शब्दों में हम यह कह सकते है की ग्रामीण स्थान राष्ट्र के जीवन का मूल आधार है।

भारत आज भी अनेक समस्याओ से जूझ रहा है। देश कि एक तिहाई से अधिक आबादी गरीबी रेखा के निचे जीवन यापन करती है। वर्तमान में देश में करोड़ शिक्षित बेरोजगार है। दोहरा गत विकास में राष्ट्रीय आय तो बढ़ी है , लेकिन इस वृद्धि का लाभ लोगो को समान रूप से प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए नई आर्थिक नीतियों पर अमल के बाद उन वस्तुओ का ही उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है , जो धनी लोगो के काम आती है।

दर असल हमारी अर्थव्यवस्था ऐसी है, जो मूलतः कृषि पर ही निर्भर है। इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा की निरंतर ग्रामीण विकास के बिना हमारा राष्ट्रीय विकास अधूरा एवं निरर्थक ही साबित होगा। दुसरो शब्दों में हम यह कह सकते है कि ग्रामीण उत्थान राष्ट्र के जीवन का मूल आधार है।

ग्रामीण विकास के मुद्दे

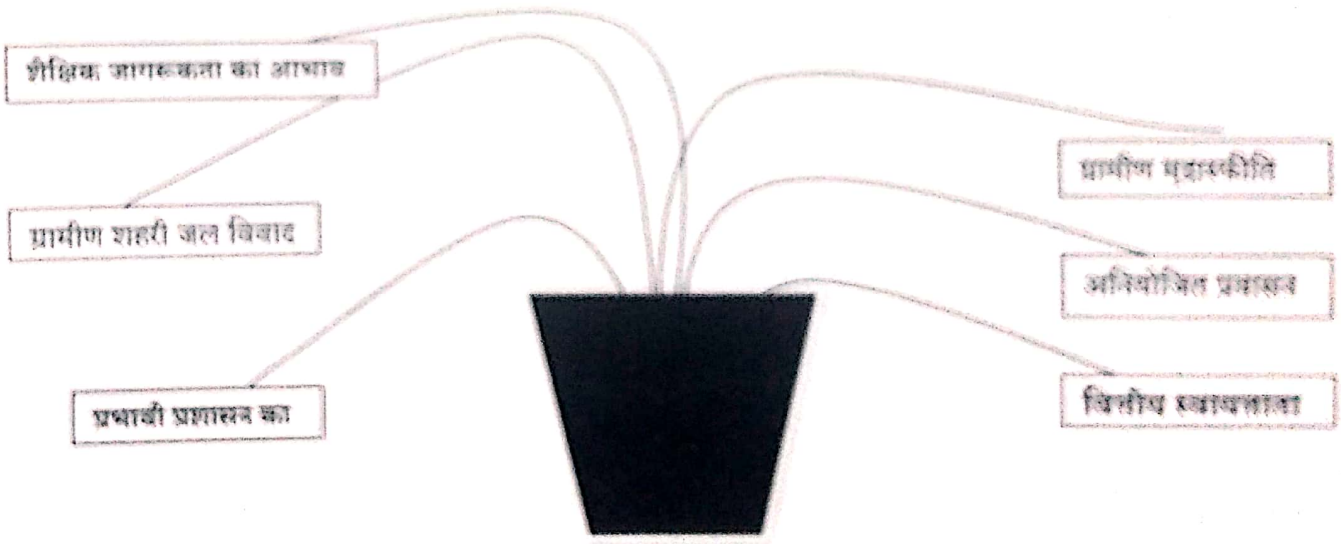

मजबूत बनाने तथा गौठान निर्माण व गोधन न्याय योजना से सम्बंधित कई वार्ताए हुई, जिसमे गौठान निर्माण के साथ साथ वहाँ मुर्गी सेड का निर्माण भी किया उसके बारे में अपना अपना मत ग्राम पंचायत व समूह के महिलाओं द्वारा दिया गया |

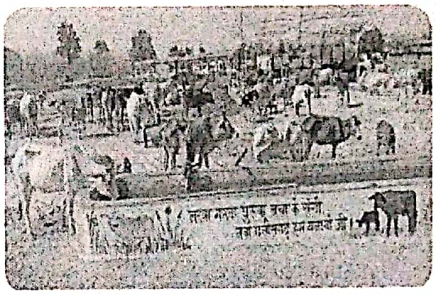

गरवा :-

ग्रामीण विकास की एक पहल बनी है की गाँव में जो पशुधन है,उसे बचाए रखे तथा अच्छे से उनकी देखभाल करे | ग्राम बिरेतरा में इस तरह की सुविधा पशुओ के लिए बनाई गयी है | जिसमे पशुओ के लिए लिए कोटना व पानी टंकियो का निर्माण किया गया है |

छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार पंचायत द्वारा पशुओ के गौठान निर्माण का का कार्य प्रगति पर है, जो कि जिला प्रशासन की देख-रेख में कार्य पूर्ण किया जाता है | यह निर्माण कार्य 18/07/2019 को (गठन) किया गया | उनके देखभाल व अछे भिजन के लिए हरी घास की व्यवस्था की गई है | जिसे पशु /गाय खाकर स्वस्थ एवं उत्तम मात्र में दूध देते है |

घुरवा : -

घुरवा छ.ग. के चार चिन्हारी या प्रतिक के रूप में तीसरा है | ग्राम बिरेतरा में हमने देखा की एक गढ्ढा खोदकर रखा गया है, जिसमे पशुओ द्वारा प्राप्त किये गये गोबर को जमा कर उच्च कोटी के जैविक खाद का निर्माण कर खेतो में उनका उपयोग किया जाता है | गोबर को एकत्रित कर वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाया जाता है |

ग्राम पंचायत बिरेतरा में वर्मी खाद की एक स्व सहायता समूह है, जिसका नाम "जय माँ दुर्गा महिला स्व सहायता समूह बिरेतरा" है , जिसकी अध्यक्षता श्रीमति धनेश्वरी रजक करती है, उनके समूह में कुल 13 सदस्य संख्या है, जो की वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार कर उचित मात्र में बेच कर आय प्राप्त करती है |

Scanned with OKEN Scanner

के निवासियों को जैविक खाद का उपयोग करने इ लिए प्ररित किया जाता है जिससे मिटटी की गुणवत्ता बनी रहती है , मिट्टी की गुणवत्ता वृद्धि होने के कारण वहां के किसानो के आय में वृद्धि हुई है ,

ग्रामवासी का मनना है की पशुओ की उचित देखभाल व रहवास स्थान ठीक हो तो उचित मात्र में गोबर मिल जाता है , जिससे खादों का निर्माण उचित ढंग से हो जाता है ,

समूह द्वारा जो खाद निर्माण किया जाता है उसे किसानो को बहुत ही कम दम में बेच दिया जाता है जिससे यहाँ के किसान अपने खेतो में रसायनों की जगह इन खादों का उपयोग कर अपनी आय में वृद्धि करने के साथ साथ हानिकारक रसायनों का उपयोग कम कर जैविक खेती को प्राथमिकता दे रहे है।

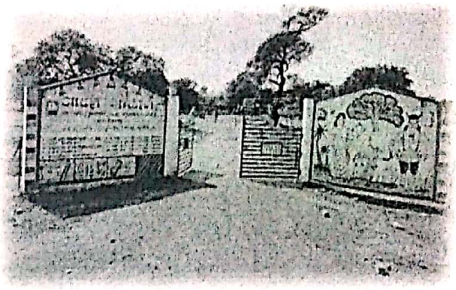

ग्राम बिरेतरा में जय भवानी महिला स्व सहायता अगरबत्ती समूह है ,इस समूह के सभी सदस्य महिलाये है, इस समूह द्वारा गोबर से अगरबत्ती बनाया जाता है , अगरबत्ती बनाने के लिए समूह की ओर से मशीन की व्यवस्था भी की गई है , अगरबत्ती को बाजार में बेचने से इसको उचित आमदनी प्राप्त होता है , ये समूह की महिलाये स्वयं अपने रोजगार कर अपने आस पास की महिलायों को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही है।

अगरबत्ती समूह के अंतर्गत महिलाओ का समूह है जिसकी अध्यक्षता श्रीमती रितु निर्मलकर करती है तथा 14 महिलाये और है जो इन समूह में मिलकर कार्य कर रही है।

3. मनरेंगा (महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना)

राष्ट्रिय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (या, NREGA) 42 बाद में इसे महात्मा गाँधी राष्ट्रिय रोजगार गारंटी अधिनियम (MG NREGA) के नाम सामाज़िक सुरक्षा उपाय है , जिसका उद्देश्य कार्य करने का अधिकार है।

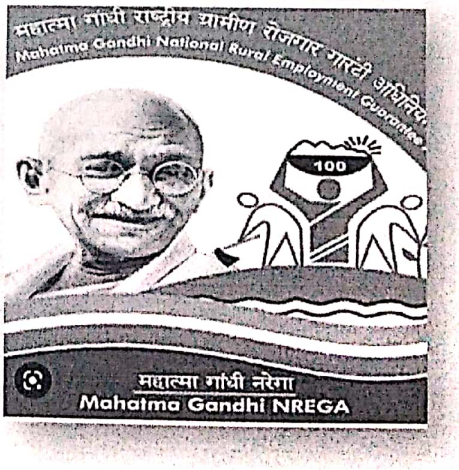

इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रो में रोजगार की सुरक्षा को बढ़ने के लिए एक वितीय वर्ष कम से कम 100 दिनों की रोजगार प्रदान करने के लिए हर परिवार के लिए है , जिसके व्यस्क सदस्य अकुशल मैनुअल कार्य करते है , मनरेंगा को 1 अप्रेल 2008 से भारत के सभी

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम माहुद बी में सर्वे कार्य

प्रश्न 1 मनरेंगा से क्या लाभ है ?

उत्तर - महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी के तहत गाँव में तालाब निर्माण,तालाब गहरीकरण, तथा गाँव में साफ सफाई से सम्बंधित कार्य किये जाते है। जिससे गाँव स्वच्छ व सुन्दर दिखता है तालाब गहरीकरण से पानी अधिक मात्रा में भरा रहता है, जिससे जल स्तर में वृद्धि होती है। तथा पेय जल के लिए हैण्ड पम्प व बोर में जल स्तर कम नहीं होता और पीने योग्य पानी उपलब्ध होता है। मनरेंगा से मजदूरो से काम कराया जाता है , ताकि ग्रामीण क्षेत्र में पर्याप्त सुविधा हो। तथा उचित ढंग से स्वच्छ व सुन्दर दिखे इससे मजदूरो को भी उचित मजदूरी प्रदान की जाती है। इससे ग्राम मजदूरो दोनों को लाभ मिलता है , वर्तमान में 1000 से अधिक मजदुर काम कर रहे है।

प्रश्न 2 महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी योजना की अध्यक्षता कौन करता है ?

उत्तर – मनरेंगा की अध्यक्षता ग्राम पंचायत स्तर में सरपंच करता है , जिस्सकी देख रेख रोजगार सहायक कर्मचारी करता है , मनरेंगा का मजदूरी दर वर्तमान में 204 रु है। यह मजदूरी दर प्रति वर्ष बजट के अनुसार बढ़ता है।

प्रश्न 3 प्रधानमंत्री आवास योजना क्या है ? अब तक हमारे गाँव में कितने आवास घरो का निर्माण हुआ है।

उत्तर – प्रधानमंत्री आवास योजना में सभी पात्र ग्रामीण घरो में पानी, बिजली , और स्वच्छता की बुनियादी सुविधाओ के साथ पक्के घरो का निर्माण करना है। जिनका मकान कच्ची है ,उनको प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्की करने का उद्देश्य है।

अब तक हमारे ग्राम माहुद बी में 65 घरो का निर्माण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुआ है ,तथा 126 घरो का प्रतीक्षा सूची में नाम है।

प्रश्न 4 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बारे में बताइए ?

उत्तर – प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना स्कीम लागू होने के पहले हमारे गांव में सडक की स्थिति अत्यंत ख़राब थी , कच्ची सडक होने के करण आने जाने में सुविधा होती थी , बारिश की दिनों में जगह जगह गड्डो पानी भरा रहता था,जिससे कभी कभी दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है, मोटर सायकिलो की आवा-जाही नाही हो पाती, पैदल चलना भी दुस्कर था।

जब से प्रधान मंत्री ग्राम सडक योजना प्रारम्भ हुआ तब से हमारे ग्राम माहुद बी में सडक निर्माण हुआ जिससे सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध हो जाती है और गाँव धीरे धीरे शहरी क्षेत्रो से जुड़ रहे है।

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम पचांयत बीरेतरा मे सर्वे कार्य

ग्राम बीरेतरा मे गौठान

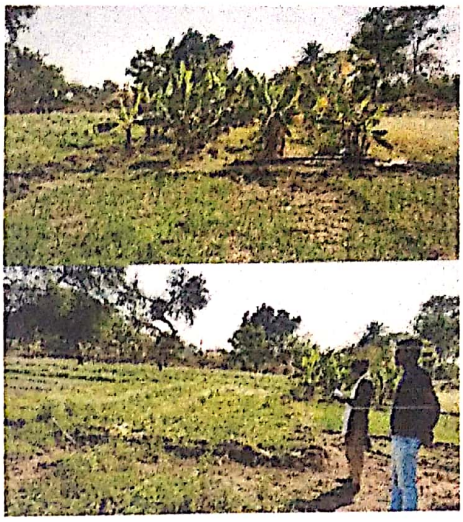

ग्राम बीरेतरा मे नरवा,गरवा ,धुरवा एवं बारी योजना

गोधन न्याय योजना के अन्तर्गत अगरबत्ती और वर्मी खाद

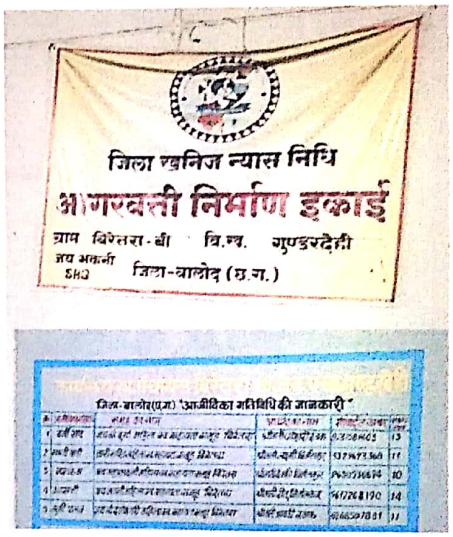

ग्राम बीरेतरा मे अगरबत्ती व अन्य समुह

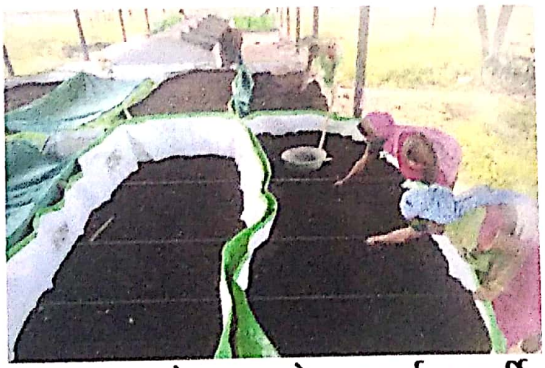

गोधन न्याय योजना के अन्तर्गत वर्मी खाद

गौठान निर्माण के कार्या का विवरण एवं लागत राशि

Scanned with OKEN Scanner